>

Title: Need to provide adequate compensation to farmers who suffered crop-damage due to drought as well as heavy rains in Vidarbha region of Maharashtra.

श्री प्रतापराव गणपतराव जाधव (बुलढाणा): दुनिया में सबसे अधिक संख्या में आत्महत्या करने वाले किसानों के विदर्भ इलाके के 11 जिलों में मई-जून में सूखे से अकाल पड़ा जिसमें विदर्भ क्षेत्र में खेती के साथ उनके मौसमी, अनार, सन्तरे के पेड़ सूख गये । विदर्भ का किसान सूखे की मार सहन नहीं कर पाया था कि मानसून में अति वर्षा से किसानों की खरीफ फसल बह गई । छोटी नदियों के आधे किलोमीटर दायरे में और बड़ी नदियों के एक किलोमीटर दायरे में काली मिट्टी और रेत भर गई और लोगों के खेतों का पता नहीं चला । विदर्भ में बारिश का औसत 300 मिली लीटर है परंतु इस बार विदर्भ में 900 मिली लीटर पानी बरसा है । अकेले 14 घंटे में 419 मिली लीटर पानी मेरे संसदीय क्षेत्र बुलढ़ाणा के लोनार तहसील में बरसा, जो चेरापूंजी की बारिश के रिकार्ड को भी तोड़ गया । विदर्भ के किसानों की खड़ी फसल बह गई । आज विदर्भ के किसानों को अति वर्षा से पीने के पानी की दिक्कत हो रही है और महामारी की काफी आशंका है । खेद की बात है कि महाराष्ट्र राज्य और केन्द्र सरकार ने विदर्भ को पर्याप्त रूप से सहायता नहीं पहुंचाई । किसान समस्याओं से जूझ रहे हैं एवं अभी हाल ही में तीन चार किसानों ने आत्महत्या भी कर ली है ।

सरकार से अनुरोध है कि जिन किसानों की फसल सूखे एवं अति बरसात से नष्ट हुई उनको समुचित मुआवजा दिया जाए और किसानों में राहत कार्य को तेजी से किया जाए ।

MADAM SPEAKER: The House stands adjourned to meet at 12.30 p.m.

12.04 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Thirty Minutes past

Twelve of the Clock.

12.30 hrs

The Lok Sabha re-assembled at Thirty Minutes past

Twelve of the Clock.

(Madam Speaker *in the Chair*)

...(*Interruptions*)

12.30 Â¼ hrs

At this stage, Shri K. Narayan Rao and some other hon. Members came

and stood on the floor near the Table)

...(*Interruptions*)